संस्कृत सम्भाषण में प्रमाण पत्र कार्यक्रम

(SSB)

सत्रीय कार्य

(जनवरी, 2024 एवं जुलाई, 2024 सत्रों के लिये)

SSB-003 सरल-संस्कृत-बोधः - तृतीयः बोधः (सम्भाषणम्)

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

"सरल-संस्कृत-बोधः - तृतीयः बोधः (सम्भाषणम्)" (SSB-003)

कार्यक्रम कोड (SSB/SSBOL)

पाठ्यक्रम कोड: SSB-003/2024

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ……..

नाम : ……

पता :……..

दिनाँक :……..

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :……..

सत्रीय कार्य कोड :……

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :……..

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन **:** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास **:** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्प्णी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ **:**

जनवरी**, 2024** सत्र के लिए **: 30** अप्रैल**, 2024**

जुलाई**, 2024** सत्र के लिए **: 31** अक्टूबर**, 2024**

सत्रीय कार्य **:** SSB-003 सरल-संस्कृत-बोधः - तृतीयः बोधः (सम्भाषणम्)

पाठ्यक्रम कोड: SSB-003

पाठ्यक्रम शीर्षक : सरल-संस्कृत-बोधः - तृतीयः बोधः (सम्भाषणम्)

सत्रीय कार्य - SSB-003/TMA/2024

पूर्णांक - 100

नोट - यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है।

प्रत्येक खण्ड से कम से कम 5 अर्थात् कुल 10 प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

एतत् सत्रीयं कार्यं खण्डद्वये विभक्तम् अस्ति। प्रत्येकं खण्डात् न्यूनातिन्यूनं ५ प्रश्नानाम् उत्तराणि लेखनीयानि अर्थात् आहत्य १० प्रश्नानाम् उत्तराणि लेखनीयानि।

This assignment is divided into two sections. It is mandatory to attempt at least 5 questions from each section. Thus a total of 10 questions are compulsory to attempt.

खण्ड (क)

1. चित्र देखकर पिता-पुत्र-सम्वाद पर आधारित 5 वाक्य संस्कृत में लिखिये। (10)

चित्रं दृष्ट्वा पितृ-पुत्र-सम्वादम् आधृत्य ५ वाक्यानि संस्कृतेन लिखन्तु।

Write 5 sentences in Sanskrit based on the dialogue between father and son on the basis of given picture.

2. चित्र देखकर माता-पुत्री-सम्वाद पर आधारित 5 वाक्य संस्कृत में लिखिये। (10)

चित्रं दृष्ट्वा मातृ-पुत्री-संवादम् आधृत्य ५ वाक्यानि संस्कृतेन लिखन्तु।

Write 5 sentences in Sanskrit based on the dialogue between mother and daughter on the basis of the given picture.

3. चित्र देखकर भाई-बहन-सम्वाद पर आधारित 5 वाक्य संस्कृत में लिखिये। (10)

चित्रं दृष्ट्वा भ्रातृ-भगिनी-संवादम् आधृत्य ५ वाक्यानि संस्कृतेन लिखन्तु।

Write 5 sentences in Sanskrit based on the dialogue between brother and sister on the basis of the given picture.

4. चित्र देखकर परिवार के लोगों में संवाद पर आधारित 5 वाक्य संस्कृत में लिखिये। (10)

चित्रं दृष्ट्वा परिवारजनेषु-संवादम् आधृत्य ५ वाक्यानि संस्कृतेन लिखन्तु।

Write 5 sentences in Sanskrit based on the dialogue between family members on the basis of the given picture.

5. चित्र देखकर पति-पत्नी-संवाद पर आधारित 5 वाक्य संस्कृत में लिखिये। (10)

चित्रं दृष्ट्वा पति-पत्नी-संवादम् आधृत्य ५ वाक्यानि संस्कृतेन लिखन्तु।

Write 5 sentences in Sanskrit based on the dialogue between husband and wife on the basis of the given picture.

6. चित्र देखकर दादा-पोता-सम्वाद पर आधारित 5 वाक्य संस्कृत में लिखिये। (10)

चित्रं दृष्ट्वा पितामह-पौत्र-संवादम् आधृत्य ५ वाक्यानि संस्कृतेन लिखन्तु।

Write 5 sentences in Sanskrit based on the dialogue between grandfather and grandson on the basis of the given picture.

खण्ड (ख)

1. निम्नलिखित संवाद को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक पद में दीजिये। (10)

अधोलिखितं संवादं पठित्वा प्रदत्त-प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु।

Read the following dialogue and answer the given questions in one word.

रमेशः - क्रिकेटक्रीडा मह्यम् अतीव रोचते।

सुरेशः - मह्यम् अपि। अस्यां क्रीडायां द्वे दले भवतः।

रमेशः - आम्, प्रत्येकं दलस्य एकादश क्रीडितारः भवन्ति।

सुरेशः - सत्यं, पुनश्च चत्वारः क्रीडितारः सुरक्षिताः भवन्ति।

रमेशः - भवान् जानाति? क्रीडायां निर्णयं दातुं द्वौ निर्णायकौ भवतः।

सुरेशः - जानामि, पुनश्च सर्वे क्रीडितारः अस्यां क्रीडायां धावनाङ्कानि एकत्रितानि कुर्वन्ति।

रमेशः - आम्, यस्य क्रीडितृसमूहस्य दलस्य धावनाङ्कानि अधिकानि भवन्ति। सः एव विजेता भवति। तस्मै एव पुरस्कारः मिलति।

१. रमेशाय किं रोचते?

२. क्रिकेटक्रीडायां कति दलानि भवन्ति?

३. क्रिकेटक्रीडायां प्रत्येकं दले कति क्रीडितारः भवन्ति?

४. क्रीडायां निर्णयं दातुं कति निर्णायकाः भवन्ति?

५. क्रिकेटक्रीडायां क्रीडितारः कानि एकत्रितानि कुर्वन्ति?

2. निम्नलिखित संवाद को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक पद में दीजिये। (10)

अधोलिखितं संवादं पठित्वा प्रदत्त-प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु।

Read the following dialogue and answer the given questions in one word.

गुरुः - छात्राः! आगामि सप्ताहे अस्माकं विद्यालये एका प्रतियोगिता भविष्यति।

शिष्यः - आचार्य! कीदृशी प्रतियोगिता भविष्यति?

गुरुः - भाषण-प्रतियोगिता भविष्यति।

शिष्यः - आचार्य! भाषण-प्रतियोगितायाः विषयः कः अस्ति?

गुरुः - 'वर्तमान-समये आयुर्वेदस्य उपयोगिता' इति विषयः अस्ति।

शिष्यः - आचार्य! आयुर्वेदस्य अस्माकं जीवने का उपयोगिता अस्ति?

गुरुः - आयुर्वेदस्य अस्माकं जीवने महती उपयोगिता अस्ति। आयुर्वेदे विविधासाध्यरोगाणाम् उपचारः लिखितम् अस्ति।

शिष्यः - अस्तु आचार्य! अहम् अपि आयुर्वेदं पठिष्यामि पुनश्च अस्यां प्रतियोगितायां भागम् अपि ग्रहीष्यामि।

गुरुः - अवश्यमेव! मम शुभाशयाः।

१. आगामि सप्ताहे विद्यालये किम् अस्ति?

२. प्रतियोगिता कीदृशी अस्ति?

३. भाषण-प्रतियोगितायाः विषयः कः अस्ति?

४. आयुर्वेदस्य अस्माकं जीवने का उपयोगिता अस्ति?

५. विविधासाध्यरोगाणाम् उपचारः कुत्र लिखितम् अस्ति?

3. निम्नलिखित संवाद को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक पद में दीजिये। (10)

अधोलिखितं संवादं पठित्वा प्रदत्त-प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु।

Read the following dialogue and answer the given questions in one word.

अर्णवः - त्वं जानासि? परश्वः किम् अस्ति?

प्रत्यक्षः - न अहं न जानामि, वदतु! परश्वः किम् अस्ति?

अर्णवः - अरे! परश्वः दीपावली-पर्व अस्ति।

प्रत्यक्षः - आम्! अहं तु विस्मृतवान्, परश्वः तु दीपावली पर्व अस्ति।

अर्णवः - दीपावली-पर्वे त्वं किं करिष्यसि?

प्रत्यक्षः - दीपावली-पर्वे अहं तु स्फोटकानि चालयामि।

अर्णवः - त्वं जानासि? स्फोटकचालनेन अतीव वायुप्रदूषणं भवति, वृद्धजनान् शिशून् च श्वास-प्रश्वासे काठिन्यं भवति।

प्रत्यक्षः - एवं वा? तर्हि अहं कदापि वायुप्रदूषणं न करिष्यामि।

अर्णवः - सम्यक्! वयं मिलित्वा स्वनगरं स्वराष्ट्रं च मुक्तप्रदूषणं करिष्यामः।

१. परश्वः किम् अस्ति?

२. दीपावली-पर्वे प्रत्यक्षः कानि चालयिष्यति?

३. स्फोटकचालनेन किं भवति?

४. वृद्धजनान् शिशून् च कस्मिन् काठिन्यं भवति?

५. अर्णवः प्रत्यक्षः च स्वनगरं स्वराष्ट्रं च किदृशं करिष्यतः?

4. निम्नलिखित संवाद को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक पद में दीजिये। (10)

अधोलिखितं संवादं पठित्वा प्रदत्त-प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु।

Read the following dialogue and answer the given questions in one word.

उमेशः - मित्रम् अशोक! इदानीम् अहं स्वगृहं गच्छामि।

अशोकः - मित्रम् उमेश! किमर्थं भवान् शीघ्रं गच्छति?

उमेशः - अहं शीघ्रं न गच्छामि, अहं तु विगत-सप्ताहे अत्र आगतवान्, पुनश्च भवताम्

आतिथ्यं स्वीकृतवान्।

अशोकः - परञ्च अहम् इच्छामि यत् भवान् इतोपि अत्र तिष्ठतु।

उमेशः - मम गमनम् आवश्यकम्, इदानीं भवान् मम गृहे देहल्ल्याम् आगच्छतु।

अशोकः - अस्तु! अहम् अवश्यमेव आगमिष्यामि, देहल्ल्यां भवान् माम् किं किं दर्शयिष्यति?

उमेशः - देहल्ल्याम् अहं भवन्तं रक्तदुर्गं, कुतुबमीनारं, मेट्रोयानं च दर्शयिष्यामि।

अशोकः - मेट्रोयानस्य दर्शनेन तु कार्यं न भविष्यति, अपितु तस्मिन् याने यात्रा अपि

आवश्यकी।

उमेशः - हा! हा! हा! निश्चयेन वयं तस्मिन् याने यात्राम् अपि करिष्यामः।

अशोकः - तर्हि अहम् अवश्यमेव देहलीम् आगमिष्यामि।

१. उमेशः कुत्र गच्छति?

२. उमेशः कदा अशोकस्य पार्श्वे आगतवान्?

३. कः देहलीम् आगमिष्यति?

४. कस्य गमनम् आवश्यकम्?

५. कस्मिन् याने यात्रा आवश्यकी?

5. निम्नलिखित संवाद को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक पद में दीजिये। (10)

अधोलिखितं संवादं पठित्वा प्रदत्त-प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु।

Read the following dialogue and answer the given questions in one word.

जानकी - शोभे! भवती प्रातःकाले कदा उत्तिष्ठति?

शोभा - अहं तु प्रातःकाले अष्टवादने उत्तिष्ठामि, भवती कदा उत्तिष्ठति?

जानकी - अहं तु प्रातःकाले सार्धषड्वादने उत्तिष्ठामि।

शोभा - भवती किमर्थं अतिशीघ्रं निद्रां त्यजति? पुनश्च शीघ्रं उत्थाय भवती किं करोति?

जानकी - सर्वप्रथमं तु अहं नित्यक्रियाः करोमि, तत्पश्चात् पूजार्चनानन्तरं दूरदर्शने संस्कृतवार्ताः पश्यामि।

शोभा- संस्कृतवार्ताः?

जानकी - आम् संस्कृतवार्ताः, इत्युक्ते संस्कृतसमाचारः।

शोभा - संस्कृतवार्तायाः का विशेषता?

जानकी - संस्कृतवार्तासु दैनन्दिन-जीवने, समाजे, राष्ट्रे, विश्वे, सामान्य-जगति पुनश्च संस्कृतजगति किं किं प्रचलति, तासां सूचनानां अतीव सरल-संस्कृत-माध्यमेन प्रसारणं भवति।

शोभा - बहु शोभनम्! तर्हि अहम् अपि श्वः आरभ्य संस्कृतवार्ताः द्रक्ष्यामि, वार्तायाः प्रसारणं प्रतिदिनं कस्मिन् समये भवति?

जानकी - प्रतिदिनं प्रातः सपादसप्तवादने डीडीन्यूज़ इति वाहिन्याम्।

शोभा - अस्तु, धन्यवादः।

१. शोभा प्रातःकाले कदा उत्तिष्ठति?

२. जानकी प्रातःकाले कदा उत्तिष्ठति?

३. जानकी प्रातःकाले सर्वप्रथमं किं करोति?

४. पूजार्चनानन्तरं जानकी दूरदर्शने काः पश्यति?

५. संस्कृतवार्तायाः प्रसारणं प्रतिदिनं कस्मिन् समये भवति?

6. निम्नलिखित संवाद को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक पद में दीजिये। (10)

अधोलिखितं संवादं पठित्वा प्रदत्त-प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु।

Read the following dialogue and answer the given questions in one word.

मनोहरः - नरेश! त्वं विद्यालयीयशिक्षानन्तरं किं करिष्यति?

नरेशः - मनोहर! अहं तु विद्यालयीयशिक्षानन्तरं पठनार्थं महाविद्यालयं गमिष्यामि।

मनोहरः - महाविद्यालये त्वं कस्मिन् पाठ्यक्रमे प्रवेशं ग्रहीष्यति?

नरेशः - अहं तु संस्कृतविषये प्रवेशं स्वीकरिष्यामि।

मनोहरः - किमर्थं संस्कृतं?

नरेशः - अरे! त्वं न जानासि, अद्यत्वे तु संस्कृतविषयस्य महती उपयोगिता अस्ति, संस्कृतं तु वैज्ञानिकी भाषा अस्ति, पुनश्च प्राकृतिक-विज्ञान-क्षेत्रे अपि शोधकार्याणि प्रचलन्ति।

मनोहरः - एवं वा?

नरेशः - आम्, अहं तु संस्कृतं पठित्वा आयुर्वेदस्य क्षेत्रे शोधकार्यं करिष्यामि, जनानां प्राकृतिक-चिकित्सा-माध्यमेन उपचारः करिष्यामि।

मनोहरः - अत्युत्तमम्! अहम् अपि महाविद्यालये संस्कृतविषयम् एव स्वीकरिष्यामि।

१. नरेशः विद्यालयीयशिक्षानन्तरं पठनार्थं कुत्र गमिष्यति?
२. नरेशः महाविद्यालये कस्मिन् पाठ्यक्रमे प्रवेशं ग्रहीष्यति?
३. संस्कृतं कीदृशी भाषा अस्ति?
४. संस्कृते कस्मिन् क्षेत्रे शोधकार्याणि प्रचलन्ति?
५. नरेशः केन माध्यमेन जनानाम् उपचारः करिष्यति?